दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 20 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 323

महत्वपूर्ण एवं खास

साइकिल चला रही 4 वर्षीय बच्ची को कार ने कुचला, मौत का दर्दनाक सीसीटीवी में कैद

मेहसाणा (आरएनएस)। एक दर्दनाक घटना में गुजरात के मेहसाणा के स्पर्श विला सोसाइटी में चार साल की दिशा पटेल की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, दिशा पटेल साइकिल चला रही थी और अचानक बैलेंस खोकर गिर पड़ी। तभी एक कार ने बच्ची को कुचलते हुए गुजर गई। वायरल हो रहे 51 सेकंड के वीडियो में दिखाया गया है कि बच्ची मोड़ पर साइकिल से गिर जाती है, और कार चालक ने ब्रेक लगाने के बजाय वाहन को जारी रखा, जिससे बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। मामले की जांच चल रही है और ड्राइवर की पहचान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की जा रही है। एक अन्य घटना में राजधानी दिल्ली के सनलाइट कॉलोनी इलाके में तेज रफ्तार लग्जरी कार ने साइकिल चला रहे युवक को टक्कर मार दी। शनिवार सुबह हुई इस घटना में कार ने ओवरटेक के दौरान युवक को कुचल दिया। टक्कर के बाद युवक करीब 150 मीटर दूर जाकर गिरा। आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बड़ा रेल हादसा टला : एक ही ट्रैक पर आ गई राजधानी एक्सप्रेस और मालगाड़ी, ब्रेक लगने से अपनी सीटों से गिरे यात्री

कोलकाता (आरएनएस)। सिलीगुड़ी के निकट एनजेपी क्षेत्र में राजधानी एक्सप्रेस एक मालगाड़ी से टकराते टकराते बची है। दरअसल, दोनों ही ट्रेन एक ही लाइन पर आ गई। राजधानी एक्सप्रेस के लोको पायलट की तत्परता से एक बड़ी दुर्घटना टल गई है। हालांकि अचानक ब्रेक लगाने के कारण कुछ यात्री अपनी सीट से गिर गए और उनमें दहशत का माहौल बना रहा। दोनों ट्रेन के पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से बच गया, हालांकि इमरजेंसी ब्रेक लगाने के कारण कुछ यात्री अपनी सीट से नीचे गिर गए। बता दें कि पश्चिम बंगाल में यह पहली घटना नहीं है जब एक ही ट्रैक पर दो ट्रेनें आ गई हो। हाल ही में अगरतला से सियालदह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी एक ही ट्रैक पर आ गए थे। दोनों ट्रेनों के बीच हुई जोरदार टक्कर के बाद इस हादसे में 15 लोगों से अधिक की जान चली गई थी जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

रोहतक में मेडिकल छात्रा से मारपीट करने वाला डॉक्टर गिरफ्तार

रोहतक (आरएनएस)। कोलकाता में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और हत्या की घटना को लेकर देशभर में आक्रोश है। पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए धरना-प्रदर्शन जारी है। सुरक्षा की मांग को लेकर अस्पतालों में रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ हड़ताल कर रहे हैं। इन सबके बीच हरियाणा के रोहतक से मेडिकल छात्रा के साथ मारपीट का एक नया मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में रोहतक पुलिस ने मेडिकल छात्रा के साथ मारपीट करने वाले आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। रोहतक पुलिस ने बताया कि मेडिकल की छात्रा के साथ मारपीट करने के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। लडक़ी की शिकायत व जांच में यौन उत्पीडऩ का मामला अभी तक सामने नहीं आया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी डॉक्टर व पीड़ित छात्रा कई महीनों से एक दूसरे को जानते थे। हर पहलू को ध्यान में रखते हुए उच्च स्तरीय जांच की जा रही है। पीड़िता और आरोपी डॉक्टर का रोहतक पीजीआई से संबंध है। पीजीआई के सीनियर डॉक्टर मनिंदर के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं कि उसने मेडिकल की छात्रा को कार में किडनैप कर अंबाला और फिर चंडीगढ़ ले गया। उस पर जबरन शादी का दबाव बनाया। जब उसने ऐसा करने से इनकार किया तो डॉक्टर ने उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर मनिंदर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, उसे पीजीआई से सस्पेंड कर दिया गया है। रोहतक पुलिस ने आगे बताया कि पीड़िता के परिवार के सदस्यों और डीएलएसए के कानूनी सहायता वकील की मौजूदगी में उसका बयान दर्ज किया गया। एफआईआर दर्ज कर आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़िता की मेडिकल जांच की गई है और न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने उसका बयान भी दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी भी पीजीआईएमएस रोहतक में स्नातकोत्तर छात्र है और पिछले कुछ महीनों से पीड़िता को जानता है। पीड़िता ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत और न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए गए अपने बयान में बलात्कार का आरोप नहीं लगाया है। आरोपी फिलहाल हिरासत में है और मामले में और सबूत जुटाने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

कोलकत्ता रेप केस : दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्रालय के बाहर मरीजों का इलाज करेंगे डॉक्टर्स, देशभर में प्रोटेस्ट जारी

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली एम्स समेत राष्ट्रीय राजधानी के अन्य अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टरों ने ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या और कोलकाता के आरजी कर अस्पताल पर उपद्रवियों की भीड़ द्वारा किए गए हमले के खिलाफ आज से एक अनोखे 'ओपीडी' विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। दिल्ली एम्स रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने कहा है कि डॉक्टर निर्माण भवन (केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का कार्यालय) के सामने सडक़ पर ओपीडी सेवाएं प्रदान करके आज से अपना विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे।

एम्स आरडीए ने अपने बयान में कहा है, 'एक्शन कमेटी फॉर सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट और आरडीए एम्स की जनरल बॉडी के साथ चर्चा की गई, जिसमें सर्वसम्मति से हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया गया है। इसमें शैक्षणिक गतिविधियों, वैकल्पिक ओपीडी, वार्ड और ओटी सेवाओं, आईसीयू, आपातकालीन प्रक्रियाओं और इमरजेंसी ओटी को रोकना शामिल है. क्योंकि हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया। हालांकि, रेजिडेंट डॉक्टर निर्माण भवन के बाहर मरीजों को वैकल्पिक ओपीडी सेवाएं प्रदान करने के लिए उपलब्ध होंगे, साथ ही कहा गया है कि अस्पतालों में आपातकालीन सेवाएं पहले की तरह जारी रहेंगी।

आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है, 'हम देश के हित में और अपनी हिप्पोक्रेटिक ओथ के अनुसार पेशेंट केयर सर्विस को नहीं रोकेंगे। हम देश भर में मेडिकल प्रोफेशनल्स के लिए सुरक्षा की कमी को उजागर करना चाहते हैं। सरकार से हमारी मांग है कि डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों और चिकित्सा संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अध्यादेश के जरिए तत्काल सेंट्रल प्रोटेक्श एक्ट लाया जाए। हम सरकार से हमारी याचिका स्वीकार करने का आग्रह कर रहे हैं।

आरडीए ने सरकार से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बाहर वैकल्पिक ओपीडी सर्विस के लिए आवश्यक व्यवस्था प्रदान करने का अनुरोध किया है। इससे पहले इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा बुलाई गई 24 घंटे की देशव्यापी हड़ताल रविवार सुबह 6 बजे खत्म हो गई। हालांकि, डॉक्टरों ने 31 वर्षीय पीजी ट्रेनी डॉक्टर के लिए न्याय की लड़ाई जारी रखी है। प्रदर्शनकारी डॉक्टर कुछ तत्काल सुधारों की मांग कर रहे हैं, जिसमें रेजिडेंट डॉक्टरों के काम करने, हॉस्टल में मिलने वाली सुविधाओं में सुधार और कार्यस्थल पर हिंसा से बचाने के लिए एक केंद्रीय कानून लागू करना शामिल है।

मुरादाबाद में नर्स से हैवानियत, डॉक्टर ने किया बलात्कार; वार्ड बॉय ने बाहर से बंद कर दिया था दरवाजा- अस्पताल सीज

मुरादाबाद । आरएनएस

कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले में देश भर में लोगों का आक्रोश है। इस बीच, मुरादाबाद के कोतवाली ठाकुरद्वारा क्षेत्र के निजी अस्पताल में अनुसूचित जाति की एक नर्स से हैवानियत की एक और खबर आई जिससे स्वास्थ्य विभाग में हडक़ंप मच गया है। नर्स को बंधक बनाकर डॉक्टर ने बलात्कार की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी डॉक्टर के साथ अन्य दो को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान शाहनवाज (डॉक्टर), (जुनैद) वार्ड बॉय और नर्स (मेहनाज) के तौर पर हुई है। अस्पताल को भी सील कर दिया गया है।

इन तीनों के खिलाफ संगीन धाराओं के तहत एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही अस्पताल को सीज कर दिया गया है। पुलिस ने कहा, जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी अस्पताल में पिछले 10 माह से नर्स के तौर पर जॉब कर रही थी। 17 अगस्त को अस्पताल में उसकी नाइट ड्यूटी थी। अस्पताल में दूसरी नर्स ने उसे कहा कि डॉक्टर ने बुलाया है। लेकिन मेरी बेटी ने जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद वार्ड बॉय जुनैद और नर्स मेहनाज उसे जबरन बंधक बनाकर अस्पताल के ऊपर बने कमरे में ले गए। दोनों ने बाहर से ताला लगा दिया। इस दौरान, डॉक्टर ने नर्स से बलात्कार किया। पीड़िता मदद के लिए चीखती रही, चिल्लाती रही। लेकिन, कोई भी मदद के लिए नहीं आया। आरोपी ने पीड़िता को धमकाया और किसी को कुछ भी बताने से मना किया। ऐसा न करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। साथ ही जातिसूचक शब्दों का भी प्रयोग किया।

शिकायत में कहा गया है कि पीड़िता का मोबाइल भी छुपा लिया गया जिससे वो किसी को कॉल न कर सके। बता दें कि कोलकाता कांड के बाद से डॉक्टर कामकाजी जगहों पर सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

मिड डे मील के बिस्कुट खाने से 200 से अधिक छात्रों की तबीयत बिगड़ी, मचा हड़कंप; 7 की हालत गंभीर

छत्रपति संभाजीनगर । आरएनएस

महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजीनगर जिले के पैठण तालुका के केकट जलगांव जिला परिषद स्कूल के 200 से अधिक छात्र मिड-डे मील के बिस्कुट खाने से बीमार पड़ गए जिनमें से सात की हालत गंभीर होने पर इन्हें दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। छात्रों के बीमार होने से स्कूल में हडक़ंप मच गया।

गंभीर सात छात्रों की हालत बिगडऩे पर उन्हें आगे के इलाज के लिए छत्रपति संभाजीनगर ले जाया गया और रिपोर्ट बताती है कि अन्य छात्रों की तबीयत भी बिगड़ रही है। यह घटना पैठण तालुका के केकट जलगांव में जिला परिषद स्कूल में हुई जहां शनिवार को छात्रों को बिस्कुट बांटे गए थे।

इन बिस्कुटों को खाने के कुछ ही देर बाद छात्रों की तबीयत बिगडऩे लगी और उन्हें बुखार होने लगा। सभी प्रभावित छात्रों को पहले पाचोड़ के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार की सुबह सात प्रभावित छात्रों की तबीयत बिगड़ गई, जिसके चलते उन्हें इलाज के लिए छत्रपति संभाजीनगर सिविल अस्पताल रेफर किया गया है।

हॉस्टल में छिड़की चूहे भगाने की दवा, 19 छात्रों की तबीयत बिगड़ी; 3 की हालत गंभीर- एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु । आरएनएस

बेंगलुरु में आदर्श कॉलेज ऑफ नर्सिंग में चूहों को भगाने के लिए दवा का छिडक़ाव किया गया। इसके बाद 19 स्टूडेंट बीमार पड़ गए, उनमें से तीन को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। कर्नाटक पुलिस ने सोमवार को लापरवाही से कीटनाशक का छिडक़ाव करने के आरोप में छात्रावास प्रबंधन कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

यह घटना रविवार को ज्ञानभारती पुलिस स्टेशन की सीमा में अम्मा आश्रम के पास आदर्श कॉलेज ऑफ नर्सिंग में हुई। 19 स्टूडेंट में से तीन की हालत गंभीर हो गई और उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) एस. गिरीश ने कहा कि रविवार रात करीब 9 बजे बीमार पड़े स्टूडेंट में से एक के बयान के आधार पर छात्रावास कर्मचारी मंजे गौड़ा और कई अन्य कर्मचारियों के खिलाफ लापरवाही बरतने और सार्वजनिक स्वास्थ्य को खतरा पैदा करने के आरोप में धारा 286 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत केस दर्ज किया गया।

डीसीपी ने कहा, ज्ञानभारती पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में अम्मा आश्रम के पास आदर्श नर्सिंग कॉलेज के छात्रावास के ग्राउंड फ्लोर जनरेटर पर चूहों को भगाने वाले चूहा एक्स का छिडक़ाव किया गया था, ताकि चूहों को नुकसान न पहुंचे। छात्रों ने इसे सूंघ लिया, जिससे उन्हें सांस लेने में समस्या होने लगी। कुल 19 छात्र बीमार पड़ गए, और उन्हें तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पतालों में ले जाया गया।

गिरीश ने कहा, अधिकांश छात्रों को उपचार मिल गया है और उनकी हालत स्थिर है। हालांकि, तीन छात्र – जयन वर्गीस, दिलीश और जो मोन – गंभीर हालत में हैं और उन्हें आगे की देखभाल के लिए आईसीयू में भर्ती कराया गया है। डीसीपी ने बताया कि बीमार छात्रों में से एक नील का बयान दर्ज कर लिया गया है और उसके आधार पर मंजे गौड़ा और अन्य छात्रावास कर्मचारियों के खिलाफ धारा 286 बीएनएस के तहत खतरनाक पदार्थ को संभालने में लापरवाही बरतने और सार्वजनिक स्वास्थ्य को खतरा पैदा करने का केस दर्ज किया गया। आगे की जांच जारी है।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा

तीन तलाक मुस्लिम महिलाओं के लिए खतरनाक, कड़ी सजा जरूरी

नई दिल्ली । आरएनएस

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में तर्क दिया है कि तीन तलाक समाज में वैवाहिक व्यवस्था के लिए अत्यंत खतरनाक है और यह मुस्लिम महिलाओं की स्थिति को दयनीय बना देता है। केंद्र ने कहा कि तीन तलाक के मामलों को नियंत्रित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के 2017 के आदेश ने अपेक्षित प्रभाव नहीं डाला है और इसलिए इसे क्रिमिनलाइज करने की आवश्यकता है।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि तीन तलाक की पीड़िताओं के पास केवल पुलिस के पास जाने का विकल्प रह जाता है, जबकि पुलिस भी इस मामले में कार्रवाई करने में असमर्थ रहती है, क्योंकि कानून में कड़ी सजा का प्रावधान नहीं है। यह बयान तब सामने आया जब सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी जिसमें कहा गया था कि जब कोर्ट ने तीन तलाक को अवैध करार दे दिया है, तो इसे क्रिमिनलाइज करने का कोई औचित्य नहीं है।

इस याचिका को लेकर केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि हाल ही में केरल की समस्त जमाइतुल उलेमा ने मुस्लिम महिला (विवाह के बाद अधिकारों की रक्षा) कानून 2019 को असंवैधानिक बताते हुए याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि यह कानून मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है और धर्म के आधार पर किसी कानून को अपराध मानना गलत है।

केंद्र ने याचिकाकर्ता के दावों को खारिज करते हुए कहा कि तीन तलाक महिलाओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है और संविधान में महिलाओं को बराबरी का अधिकार दिया गया है। संसद ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाया है जो लैंगिक न्याय और समानता को सुनिश्चित करता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है कि वह कानून बनाने की प्रक्रिया में बहुत ज्यादा हस्तक्षेप नहीं करेगा और विधायिका को अपने कार्य करने का पूरा अधिकार है।

16 वर्ष के प्रीथम गोली ने माउंट किलिमंजारो की चोटी पर तिरंगा, एनसीसी और स्कूल का फहराया झंडा

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली पब्लिक स्कूल के 16 वर्षीय छात्र प्रीथम गोली ने इतिहास रचते हुए अपने शहर के सबसे युवा पर्वतारोहियों में से एक बनकर माउंट किलिमंजारो की चोटी पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है। इस महत्वाकांक्षी युवा पर्वतारोही ने 8-दिवसीय अभियान के बाद 17 जुलाई 2024 को चोटी पर पहुंचकर अपनी शारीरिक सहनशक्ति और मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया। चोटी पर प्रीथम ने गर्व से तिरंगा, एनसीसी ध्वज और अपने स्कूल का ध्वज फहराया, जिसे वह दुनिया के सबसे अच्छे एहसासों में से एक मानता है।प्रीथम, जो वर्तमान में 12वीं कक्षा में है, ने 12 जुलाई को चार पर्वतारोहियों के एक समूह के साथ अपनी यात्रा शुरू की, जिसका नेतृत्व अनुभवी पर्वतारोही सत्यरूप सिद्धांत ने किया। चढ़ाई के दौरान समूह को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन प्रीथम के दृढ़ संकल्प और हिम्मत ने उसे शिखर तक पहुंचाया।प्रीथम ने बताया, किलिमंजारो की चोटी पर पहुंचने की मेरी एक मुख्य वजह यह थी कि एवरेस्ट बेस कैंप पूरा करने के बाद भी मैं संतुष्ट नहीं था। मैं और अधिक करना चाहता था और ऊंचाईयों तक पहुंचना चाहता था। किलिमंजारो की चढ़ाई करते समय, मुझे कभी-कभी अकेलापन महसूस होता था, लेकिन मैंने इसका आनंद लेना सीख लिया। सबसे दूर होने के कारण, मुझे यह एहसास हुआ कि हमारी ज़िंदगी कितनी सरल है। कभी-कभी मुझे वास्तव में शांति महसूस होती थी, जो मैंने पहले कभी महसूस नहीं की थी। शिखर पर चढऩे का दिन विशेष रूप से कठिन था, जो सुबह 3 बजे ठंडी परिस्थितियों में शुरू हुआ। खड़ी चढ़ाई, महीन बजरी व रेत से बनी फिसलन भरी जमीन के कारण चोटी पर चढऩे का रास्ता बहुत कठिन था। शिखर पर पहुंचने से बिल्कुल पहले, मुझे भयंकर सिरदर्द शुरू हो गया, जो ऊंचाई के कारण सामान्य है, इसलिए मैंने बस आगे बढ़ते रहने का फैसला किया। जब मैं शिखर पर पहुंचा तो जो एहसास हुआ वह जादुई था, चढ़ाई के दौरान आईं सभी मुश्किलें अचानक गायब हो गईं। हालांकि समूह ने क्रेटर कैंप में ठहरने की योजना बनाई थी, लेकिन खराब मौसम के कारण उन्हें उसी रात बाराफू कैंप में उतरना पड़ा।

सावन के आखिरी सोमवार पर काशी विश्वनाथ का दर्शन करने के लिए उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

वाराणसी । आरएनएस

सावन के 5वें और आखिरी सोमवार के दिन शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए मंदिरों की लाइन में भक्त दिखे। कुछ ऐसी ही झलक उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ मंदिर में देखने को मिली। काशी विश्वनाथ मंदिर में बड़ी संख्या में शिव भक्त पहुंचे। यहां देर रात से भक्तों के आने का सिलसिला जारी रहा। यहां मंगला आरती के बाद भक्तों ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। इधर, श्रद्धालु की भारी भीड़ को देखते हुए बैरिकेडिंग की गई। बताया गया कि तीन प्रमुख द्वारों से भक्तों को दर्शन पूजन कराया गया। भक्तों ने बाबा के दर्शन के साथ ही साथ माता पार्वती, भगवान गणेश के भी दर्शन किए। मंदिर का पूरा परिसर हर-हर महादेव से गूंजता रहा।

बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के लिए पंजाब से पहुंची सीमा सोढ़ी ने कहा कि यहां आकर मन प्रसन्न हो गया है। यहां भक्तों की भारी भीड़ के बावजूद अच्छे से दर्शन हुए हैं। हम परिवार के साथ यहां पर आए हैं। बहुत अच्छा लग रहा है, यहां पर प्रशासन द्वारा अच्छे से व्यवस्था की गई है।

लखनऊ से बाबा के दर्शन करने पहुंचे कमलकांत मिश्रा ने कहा कि यहां बहुत भीड़ है। समय लगा है, लाइन में लगे रहे। लेकिन, दर्शन बहुत अच्छे से हुआ है। प्रशासन ने उचित व्यवस्था की हुई थी। जिससे किसी भी भक्त को दर्शन के दौरान परेशानी न हो।

रमेश चंद शर्मा ने कहा कि यहां की आस्था देखते ही बनती है। यहां का माहौल भक्तिमय है। यहां आने वाले लोगों में बाबा का विश्वास है। किसी भी भक्त को कोई परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन के द्वारा उचित प्रबंध किए गए हैं। लाइन में लगे सभी भक्तों का अच्छे से दर्शन हो रहा है। बता दें कि यह सावन 5 सोमवार का था। सावन के प्रत्येक सोमवार को बाबा का दर्शन करने के लिए भारी संख्या में भक्तों की भारी भीड़ जुटी।

मध्य प्रदेश में रक्षाबंधन की धूम, बाबा महाकाल को बांधी गई वैदिक राखी

भोपाल । आरएनएस

प्रदेश में रक्षाबंधन का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है। शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ी है और अपने आराध्य को श्रद्धालु राखी अर्पित कर रहे हैं। इसी तरह उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में भी भस्म आरती के समय बाबा महाकाल को वैदिक राखी बांधी गई।

राज्य में सावन मास के सोमवार को रक्षाबंधन होने के कारण शिव मंदिरों से लेकर अन्य मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा हुआ है। हर भक्त जहां अपने आराध्य को राखी अर्पित कर रहा है, वहीं सुखमय जीवन की मंगल कामना भी कर रहा है। मंदिरों में विशेष आयोजन हो रहे हैं और मंदिर के पंडित पुजारी भक्तों की कलाई में राखी बांध रहे हैं।

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती के समय पुजारी ने वैदिक राखी बांधी। मंदिर के पुजारी पंडित आशीष के अनुसार, बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया और उन्हें वैदिक राखी बांधी गई। यह वैदिक राखी 7 दिनों में बनकर तैयार होती है। शास्त्रों के अनुसार, इस राखी को तुलसी के पत्र से लेकर बिल्व पत्र, लौंग, इलायची से बनाकर तैयार किया जाता है और वह रक्षा सूत्र के माध्यम से बांधी जाती है जिससे विश्व का कल्याण हो, भारत की रक्षा हो। इस राखी को पुजारी परिवार की महिलाओं द्वारा तैयार किया जाता है।

आज भस्मारती के पहले ही ढाई बजे से पट खोल दिए गए और बाबा महाकाल का राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। इस मौके पर बाबा महाकाल को बेसन और शुद्ध घी से बने सवा लाख लड्डुओं का भोग लगाया गया। यहां आने वाले भक्तों की रविवार रात से ही कतारें लगनी शुरू हो गई थी और हर कोई भस्म आरती के समय मौजूद रहकर बाबा महाकाल के दर्शन करने के लिए लालायित था।

सावन मास का पांचवा सोमवार है और महाकाल दर्शन करने वाले श्रद्धालु लाखों की तादाद में यहां पहुंचे हैं। सोमवार की शाम को बाबा महाकाल की सवारी निकलेगी।